Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

कृतिका (गद्य खंड)

अध्याय-1 : इस जल प्रलय में (फणीश्वरनाथ रेणु)

भाग - 7

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

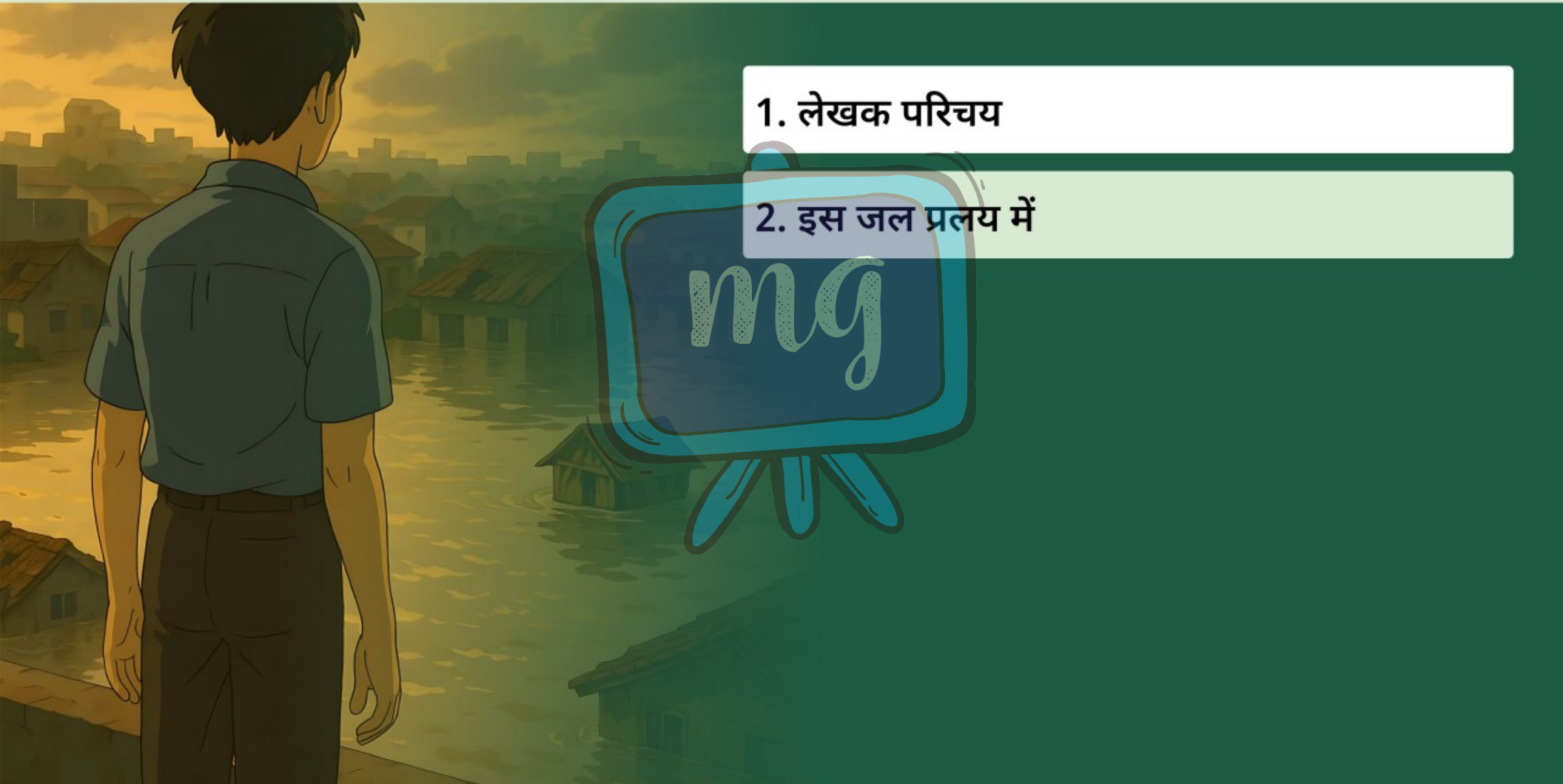

1. लेखक परिचय
2. इस जल प्रलय में

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

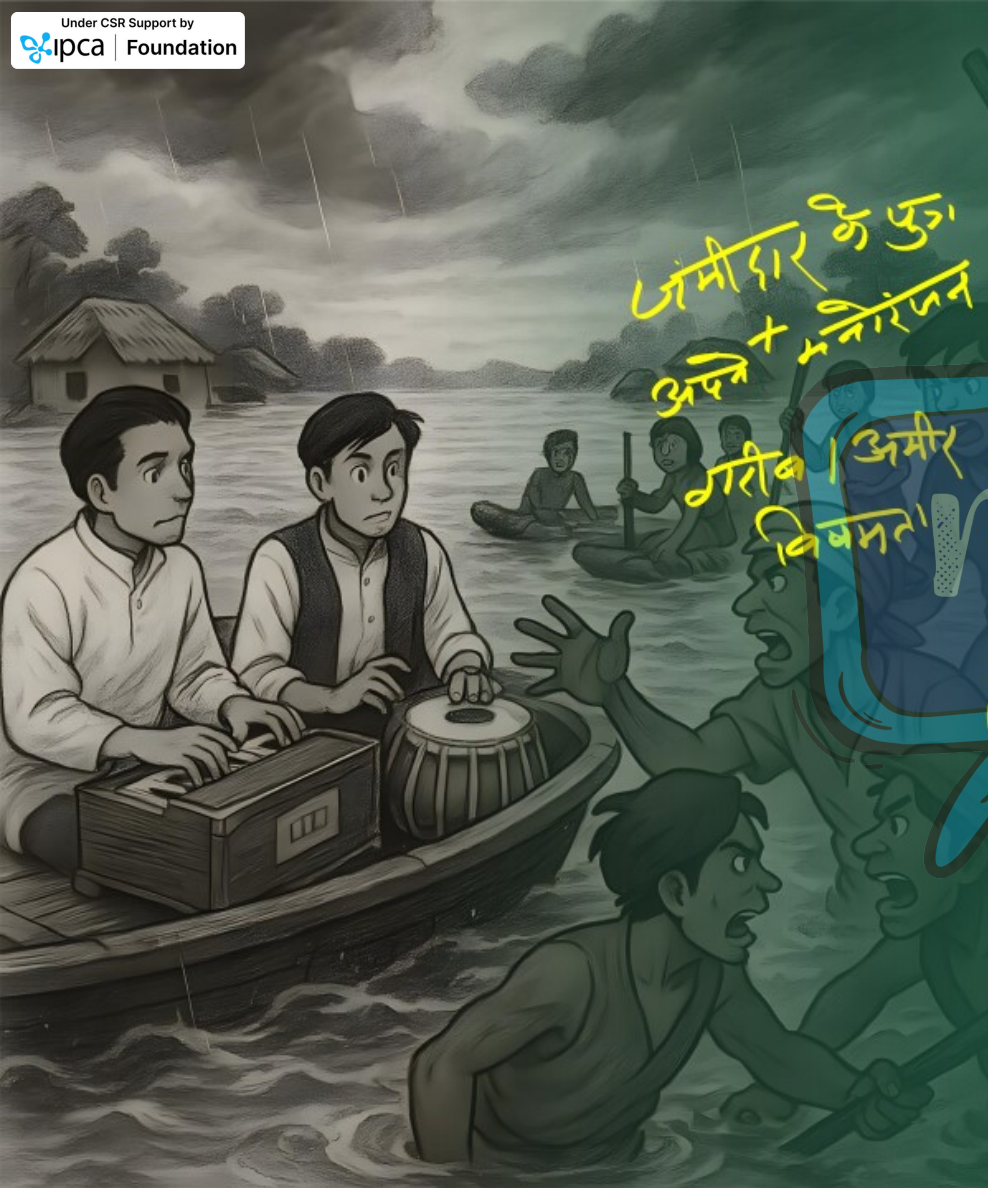

यह एक बार, 1937 में, सिमरवनी-शंकरपुर में बाढ़ के समय 'नाव' को लेकर लड़ाई हो गई थी। मैं उस समय 'बालचर' (ब्वाय स्काउट) था। गाँव के लोग नाव के अभाव में केले के पौधे का 'भेला' बनाकर किसी तरह काम चला रहे थे और वहीं जमींदार के लड़के नाव पर हरमोनियम-तबला के साथ झिंझिर (जल-विहार) करने निकले थे। गाँव के नौजवानों ने मिलकर उनकी नाव छीन ली थी। थोड़ी मारपीट भी हुई थी...

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



और 1967 में जब पुनपुन का पानी राजेंद्रनगर में घुस आया था, एक नाव पर कुछ सजे-धजे युवक और युवतियों की टोली किसी फ़िल्म में देखे हुए कश्मीर का आनंद घर-बैठे लेने के लिए निकली थी। नाव पर स्टोव जल रहा था-केतली चढ़ी हुई थी, बिस्कुट के डिब्बे खुले हुए थे, एक लड़की प्याली में चम्मच डालकर एक अनोखी अदा से नेस्कैफे के पाउडर को मथ रही थी-'एस्प्रेसो' बना रही थी, शायद।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दूसरी लड़की बहुत मनोयोग से कोई सचित्र और रंगीन पत्रिका पढ़ रही थी। एक युवक दोनों पाँवों को फैलाकर बाँस की लग्गी से नाव खे रहा था। दूसरा युवक पत्रिका पढ़ने वाली लड़की के सामने, अपने घुटने पर कोहनी टेककर कोई मनमोहक 'डायलॉग' बोल रहा था। पूरे 'वॉल्यूम' में बजते हुए 'ट्रांजिस्टर' पर गाना आ रहा था 'हवा में उड़ता जाए, मोरा लाल दुपट्टा मलमल का, हो जी हो जी!'

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

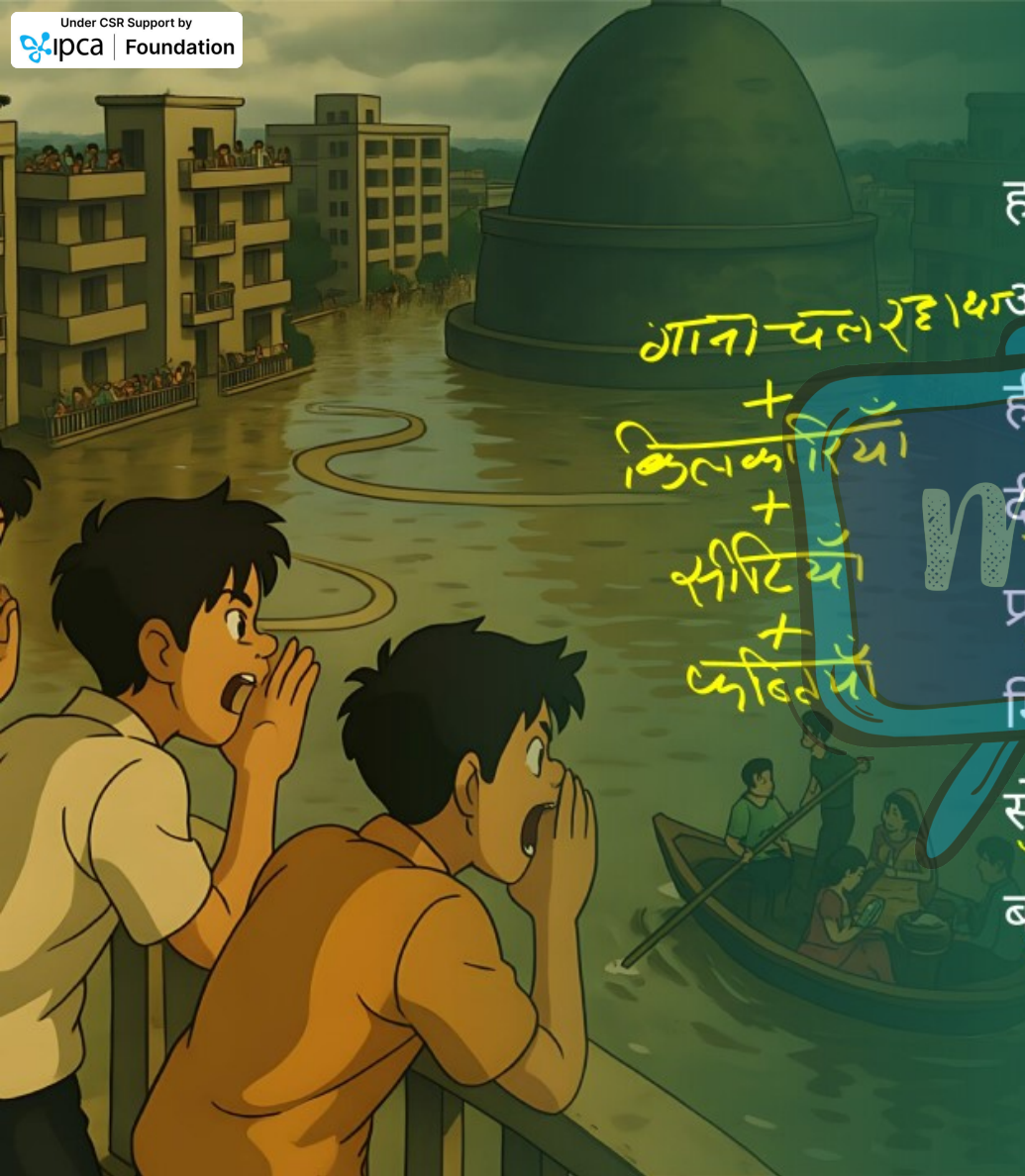

हमारे ब्लॉक के पास गोलंबर में नाव पहुँची थी कि अचानक चारों ब्लॉक की छतों पर खड़े लड़कों ने एक ही साथ किलकारियों, सीटियों, फब्तियों की वर्षा कर दी और इस गोलंबर में किसी भी आवाज़ की प्रतिध्वनि मँडरा-मँडराकर गूँजती है। सो सब मिलाकर स्वयं ही जो ध्वनि संयोजन हुआ, उसे बड़े-से-बड़े गुणी संगीत निर्देशक बहुत कोशिश के बावजूद नहीं कर पाते।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

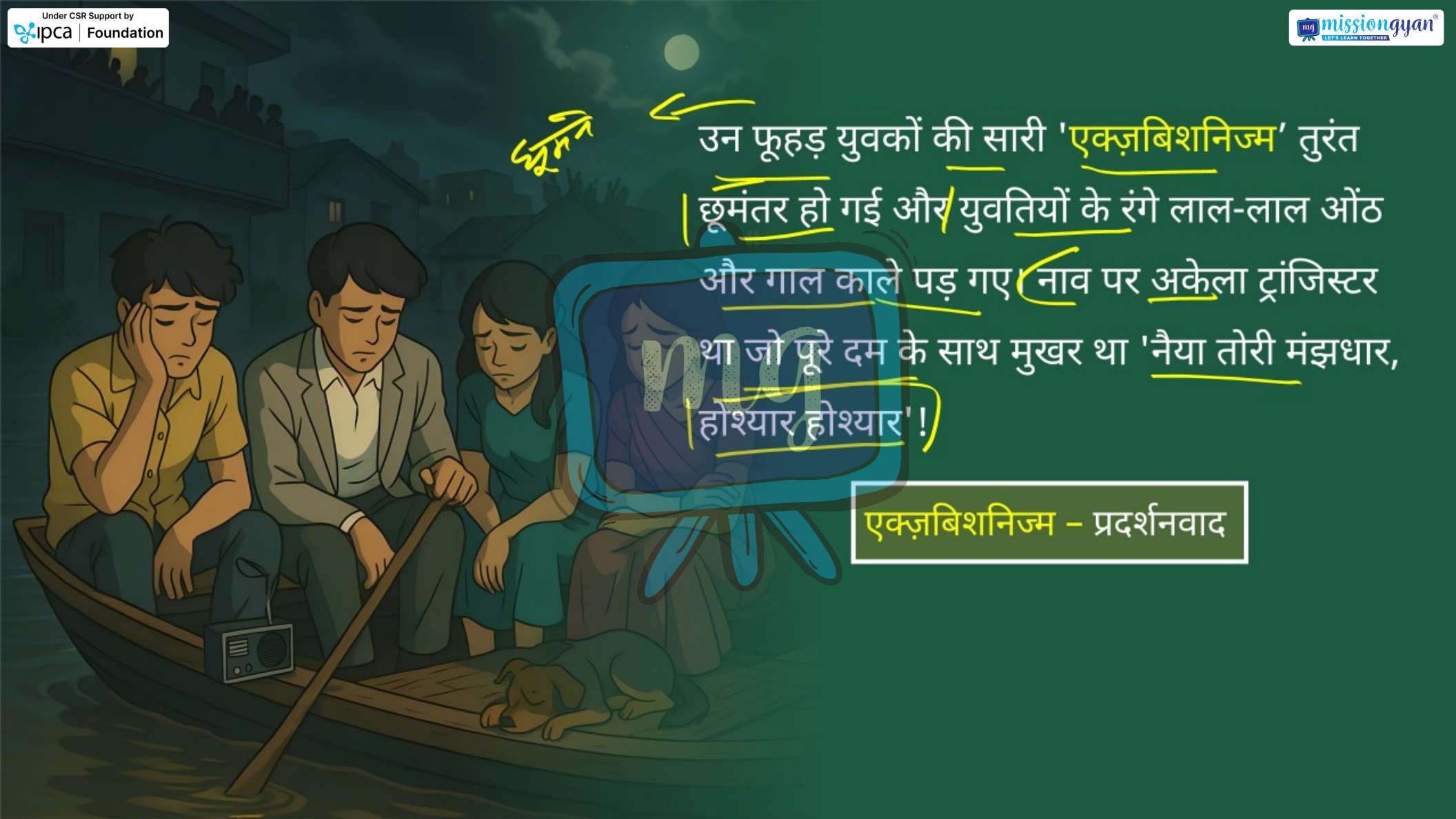

उन फूहड़ युवकों की सारी 'एक्ज़बिशनिज्म' तुरंत छूमंतर हो गई और युवतियों के रंगे लाल-लाल ओंठ और गाल काले पड़ गए। नाव पर अकेला ट्रांजिस्टर था जो पूरे दम के साथ मुखर था 'नैया तोरी मंझधार, होश्यार होश्यार'!

एक्ज़बिशनिज्म – प्रदर्शनवाद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

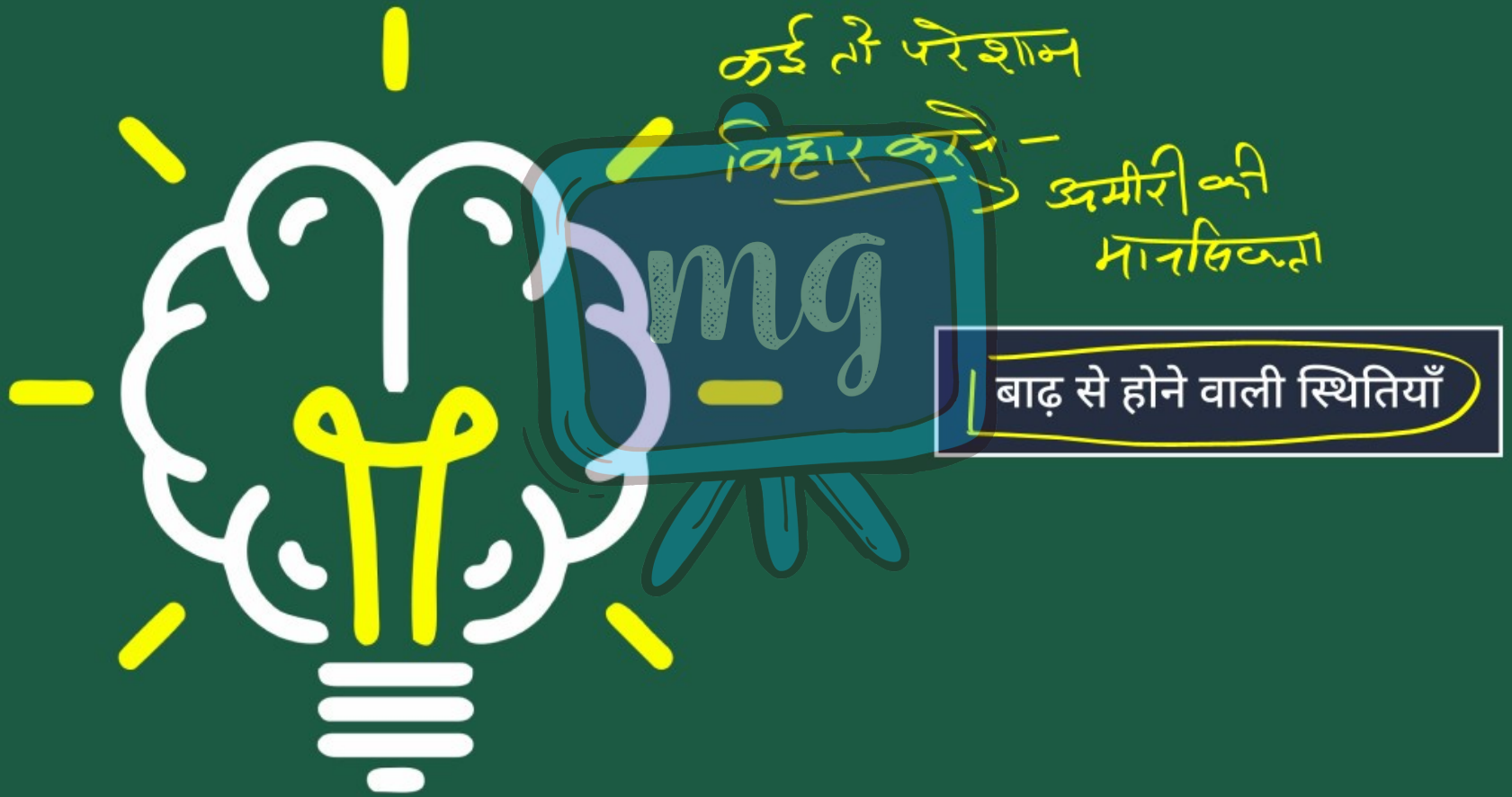

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 1937 में सिमरवनी-शंकरपुर में नाव को लेकर विवाद किस कारण हुआ था?

- अ नाव को लेकर
- ब नाव डूब गई थी
- स नाव में सवार लोग झगड़ रहे थे
- द नाव चोरी हो गई थी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 गाँव के लोग किसका उपयोग करके 'भेला' बना रहे थे?

अ बाँस

ब लकड़ी

स केले के पौधे

द कपड़े

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 ट्रांजिस्टर पर कौन-सा गीत बज रहा था?

अ ओ मेरे दिल के चैन ✗

ब नैया तोरी मंझधार

स हवा में उड़ता जाए

द चलो दिलदार चलो ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 जब नाव ब्लॉक के पास पहुँची तो लड़कों की क्या प्रतिक्रिया थी?

अ तालियाँ बजाईं

ब पानी में कूद गए

स किलकारियाँ, सीटियाँ और फब्तियाँ कसीं

द पुलिस को बुलाया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 | 1967 की घटना किस स्थान पर घटित हुई?

अ भागलपुर

ब सिमरवनी

स राजेंद्रनगर

द दरभंगा